# अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली दो माह में होगी लागू

**जागरण संवाददाता, गोरखपुर :** रेलकर्मियों और उनके स्वजन के लिए राहत भरी खबर है। बीमार होने पर उन्हें अब मेडिकल कार्ड लेकर रेलवे अस्पतालों में लाइन नहीं लगानी पड़ेगी। न ही जांच रिपोर्ट साथ लेकर चलना होगा। घर बैठे संबंधित चिकित्सक के पास नंबर भी लग जाएगा। उनकी बीमारी, चल रही दवाइयों और जांच रिपोर्ट की सारी कुंडली चिकित्सक के सामने आनलाइन रहेगी। कोरोना काल में बढ़ती परेशानियों को देखते हुए रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देश पर रेलटेल ने देशभर के चयनित केंद्रीय और मंडलीय अस्पतालों में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआइएस) लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर और बादशाहनगर में भी दो माह में यह प्रणाली लागू हो जाएगी। सिस्टम लगाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। सीतापुर स्थित रेलवे अस्पताल में यह प्रणाली कार्य करने लगी है।

रेलटेल ने रेलकर्मियों को तीव्र और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए देशभर के 125 रेलवे अस्पतालों तथा 650 पालीक्लीनिक में एचएमआइएस लागू करने की योजना तैयार की है। इस प्रणाली के लागू हो जाने से अस्पताल का पूरा ब्यौरा और

## पूर्वोत्तर रेलवे

- एक डिजिटल प्लेटफार्म पर उपलब्ध होगा रेलवे अस्पतालों का ब्यौरा
- चिकित्सकों के सामने आनलाइन होगी मरीजों की कुंडली, तेज हुई प्रक्रिया

कार्य एक डिजिटल प्लेटफार्म पर आ जाएगा। इस प्लेटफार्म से रेलकर्मियों के यूनिक चिकित्सा आइडी (उम्मीद कार्ड) सीधे जुड़ जाएंगे। रेलकर्मियों को चिकित्सक से सलाह लेने के लिए भाग कर अस्पताल नहीं आना पड़ेगा। घर बैठे ही मोबाइल एप पर उपचार और सभी सेवाओं से संबंधित अपडेट जानकारी मिलती रहेगी। चिकित्सकों को भी इलाज करने में सहूलियत मिलेगी। उम्मीद कार्ड में रेलकर्मी के सेवा और परिवार से संबंधित सभी विवरण उपलब्ध रहते हैं। दरअसल, रेलवे अस्पतालों में कर्मचारियों और उनके स्वजन को समय से समुचित स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रहीं। कोरोना काल में स्थिति और खराब होती जा रही है।